RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
20
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

QS World Future Skills Index

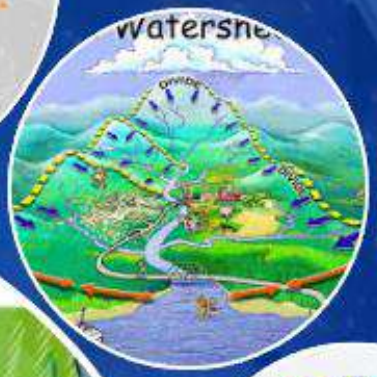

By Ankit Avasthi Sir

आरबीआई ने वर्ष 2024-25 के लिए एनबीएफसी अपर लेयर (UL)सूची जारी की / RBI Releases NBFC Upper Layer List for Year 2024-25

संदर्भ:

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने स्केल बेस्ड रेगुलेशन (SBR) के तहत 2024-25 के लिए **अपर लेयर (UL)** में शामिल गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) की सूची घोषित की है।

NBFC-UL से संबंधित मुख्य बिंदु:

- **सूचीबद्ध कंपनियां:** LIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, PNB हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड आदि।
- **SBR (स्केल बेस्ड रेगुलेशन):** यह एनबीएफसी के लिए एक नियामक ढांचा है।
- **एनबीएफसी-UL की वर्गीकरण अवधि:** एक बार एनबीएफसी को UL (अपर लेयर) के रूप में वर्गीकृत किया गया तो उन्हें 5 वर्षों तक कठोर नियामक आवश्यकताओं का पालन करना होगा।
- **उद्देश्य:**
  - **सिस्टमिक जोखिम कम करना**
  - **विनियमन में समानुपातिकता लागू करना**
  - **जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ और गुणवत्ता में सुधार करना**

NBFC नियमन के बारे में मुख्य बिंदु:

नियामक शक्तियां:

- **RBI द्वारा नियमन:** भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत एनबीएफसी को पंजीकृत, निरीक्षण और पर्यवेक्षण करता है।
- **50-50 प्रिंसिपल बिजनेस मानदंड:**
  - कुल संपत्ति और सकल आय का 50% से अधिक वित्तीय गतिविधि से होना चाहिए।

एनबीएफसी पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं:

1. **कंपनी का पंजीकरण:** कंपनियों अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत पंजीकृत होनी चाहिए।
2. **न्यूनतम नेट ओन्ड फंड (NOF):** ₹200 लाख।

स्केल-आधारित नियमन (SBR) फ्रेमवर्क के बारे में:

स्केल-आधारित नियमन (SBR) फ्रेमवर्क, 2021 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुरू किया गया, एनबीएफसी को उनकी परिसंपत्ति के आकार और स्कोरिंग मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उद्देश्य:

1. **सिस्टेमिक जोखिम कम करना:** वित्तीय प्रणाली को सुरक्षित रखने और जोखिम फैलाव को रोकना।
2. **अनुपातिक नियमन:** एनबीएफसी संचालन के आकार और जटिलता के अनुसार नियामक प्रबंधन लागू करना।
3. **जोखिम प्रबंधन को मजबूत बनाना:** संचालन क्षमता और शासन मानकों को बेहतर करना।

एनबीएफसी का वर्गीकरण:

- **बेस लेयर (NBFC-BL):** छोटे एनबीएफसी जो प्रणाली के लिए कम जोखिम रखते हैं।
- **मिडिल लेयर (NBFC-ML):** मध्यम आकार की संस्थाएं जो प्रणाली में कुछ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- **अपर लेयर (NBFC-UL):** उच्च जोखिम वाले एनबीएफसी, जो स्कोरिंग पद्धति और सिस्टेमिक महत्व पर आधारित हैं।
- **टॉप लेयर (NBFC-TL):** दुर्लभ रूप से शामिल, अत्यधिक जोखिम वाले संस्थानों के लिए।

बढ़ी हुई विनियमन की विशेषताएं:

- NBFC-ULs को कम से कम 5 वर्षों के लिए सख्त नियामक आवश्यकताओं का पालन करना होगा।
- इसमें अनुपालन, निगरानी और शासन मानदंडों को सख्त बनाना शामिल है।

लोकपाल दिवस 2025 / Lokpal Day 2025

संदर्भ:

16 जनवरी 2025 को भारत के लोकपाल ने अपना पहला स्थापना दिवस मनाया, जो 2013 के लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के तहत गठन के 11 वर्षों को चिह्नित करता है।

लोकपाल:

1. **परिचय:**
   - लोकपाल एक स्वतंत्र सांविधिक निकाय है, जिसे **लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013** के तहत स्थापित किया गया।
   - इसका उद्देश्य सार्वजनिक कार्यालयों में भ्रष्टाचार से लड़ना और सार्वजनिक पदाधिकारियों के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करना है।
   - लोकपाल "लोक-अभिभावक" की तरह कार्य करता है और सार्वजनिक पदाधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करता है।
   - अधिनियम में राज्यों में लोकायुक्त की स्थापना का भी प्रावधान है।
2. **उत्पत्ति:**
   - लोकपाल/लोकायुक्त की अवधारणा स्कैंडिनेवियाई देशों के **ओम्बड्समैन** प्रणाली से प्रेरित है।
   - भारत में, **प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70)** ने केंद्र स्तर पर लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त की स्थापना की सिफारिश की।
   - **लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013** से पहले, कई राज्यों ने अपने कानूनों के माध्यम से लोकायुक्त संस्थान बनाए।
   - **महाराष्ट्र** ने 1971 में पहला लोकायुक्त निकाय स्थापित किया।
3. **संरचना और सदस्य:**

- **नियुक्ति:** भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- **अध्यक्ष:** भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, या एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।
- **सदस्य:** अधिकतम 8 सदस्य (50% न्यायिक, 50% SC/ST/OBC/अल्पसंख्यक/महिला से)।

4. **वेतन और भत्ते:**
   - लोकपाल अध्यक्ष का वेतन और भत्ते भारत के मुख्य न्यायाधीश के समकक्ष हैं।
   - सदस्य, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान सुविधाएं प्राप्त करते हैं।
5. **कार्यकाल:**
   - 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक।
6. **लोकपाल की कार्यवाही:**
   - शिकायत प्राप्त होने पर लोकपाल निम्नलिखित कदम उठाता है:
     - अपनी **जांच शाखा** के माध्यम से प्रारंभिक जांच शुरू करता है।
     - मामलों को **केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI)** या **केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC)** को संदर्भित करता है।
   - **CVC** समूह A और B अधिकारियों की रिपोर्ट लोकपाल को देता है।
   - समूह C और D मामलों के लिए, CVC **CVC अधिनियम, 2003** के तहत स्वतंत्र कार्रवाई करता है।

लोकपाल से जुड़ी चुनौतियां/मुद्दे:

1. **सात वर्ष की सीमा:**
   - सात वर्ष से अधिक पुरानी शिकायतों पर विचार नहीं किया जाता।
2. **नियुक्तियों में देरी:**
   - लोकपाल के गठन और सदस्यों की नियुक्ति में देरी होती है।
3. **शिकायतों की अस्वीकृति:**
   - पिछले 5 वर्षों में लगभग 90% शिकायतें अस्वीकृत हुईं क्योंकि वे सही प्रारूप में नहीं थीं।

राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन2.0. और नया संचार साथी मोबाइल ऐप / National Broadband Mission 2.0. and New Sanchar Saathi Mobile App

संदर्भ:

हाल ही में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत में कनेक्टिविटी और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कई दूरसंचार पहलों की शुरुआत की। इनमें **संचार साथी मोबाइल ऐप**, **नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन (NBM) 2.0**, और **DBN-फंडेड 4G मोबाइल साइट्स पर इन्ट्रा सर्कल रोमिंग** शामिल हैं।

- इन पहलों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच प्रदान कर डिजिटल समावेशिता को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 (National Broadband Mission 2.0):

1. **परिचय:**
   - भारत में दूरसंचार पहुंच को बेहतर बनाने के लिए एक पहल।
   - **NBM 1.0 की सफलता** पर आधारित, जिसे 2019 में **राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति, 2018** के तहत शुरू किया गया।
   - **NBM 1.0 के तहत:**
     - दूरसंचार टावरों की संख्या बढ़कर **8.17 लाख** हो गई।
     - ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या **941 मिलियन** तक पहुंच गई।
2. **उद्देश्य:**
   - डिजिटल बुनियादी ढांचे की वृद्धि को तेज करना।
   - डिजिटल विभाजन को पाटना।
   - सभी को किफायती ब्रॉडबैंड एक्सेस प्रदान करना।
3. **दृष्टि (Vision):**
   - **ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC):**
     - **2.70 लाख गांवों** तक 2030 तक कनेक्टिविटी बढ़ाना (वर्तमान में लगभग 50,000 गांव)।
     - **95% अपटाइम** सुनिश्चित करना।
   - **एंकर संस्थानों तक ब्रॉडबैंड:** 2030 तक **90% एंकर संस्थानों** (स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत कार्यालय) को ब्रॉडबैंड सुविधा।
   - **डाउनलोड स्पीड:** न्यूनतम फिक्स्ड ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड **100 Mbps**।
   - **5G और 6G नेटवर्क का विकास:** 5G नेटवर्क को त्वरित रूप से लागू करना और भविष्य के 6G नेटवर्क के लिए तैयारी।
   - **ओप्टिकल ग्राउंड वायर (OPGW):** आपदाओं, युद्धों और आपात स्थितियों के दौरान कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए **पावर सेक्टर से OPGW** का उपयोग।

नया संचार साथी मोबाइल ऐप:

यह एक उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफ़ॉर्म है जिसे दूरसंचार सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को उनके दूरसंचार संसाधनों को सुरक्षित करने और दूरसंचार धोखाधड़ी से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण प्रदान करता है।

मुख्य विशेषताएं:

1. **चक्षु - संदिग्ध धोखाधड़ी संचार (SFC) की रिपोर्टिंग:** उपयोगकर्ता ऐप या सीधे अपने मोबाइल फोन लॉग से संदिग्ध कॉल और एसएमएस की रिपोर्ट कर सकते हैं।
2. **अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शन की जानकारी:** नागरिक अपने नाम पर जारी सभी मोबाइल कनेक्शनों की पहचान और प्रबंधन कर सकते हैं, जिससे अनधिकृत उपयोग रोका जा सके।
3. **खोए हुए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करना:** खोए या चोरी हुए मोबाइल डिवाइस को तेजी से ब्लॉक, ट्रेस और रिकवर किया जा सकता है।
4. **मोबाइल हैंडसेट की प्रामाणिकता जानें:** ऐप मोबाइल हैंडसेट की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का आसान तरीका प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता केवल असली डिवाइस खरीद सकें।

इन्ट्रा सर्कल रोमिंग (ICR):

- **ICR पहल** के तहत, कई दूरसंचार सेवा प्रदाता DBN (Digital Bharat Network) द्वारा वित्तपोषित 4G साइटों पर बुनियादी ढांचे को साझा कर सकते हैं।
- इस सहयोग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना है।

मुख्य विशेषताएं:

1. **साझेदारी: BSNL, एयरटेल, और रिलायंस** जैसे सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग।
2. **कनेक्टिविटी में सुधार:** 35,400 से अधिक ग्रामीण गांवों में निर्बाध 4G सेवाएं।
3. **लागत में कमी:** बुनियादी ढांचे को साझा करने से ऑपरेटरों के लिए पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure) में कमी आती है।

नई वाटरशेड विकास परियोजनाएं / New Watershed Development Projects

संदर्भ:

ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) ने 10 उच्च प्रदर्शन वाले राज्यों में 56 नई वाटरशेड विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनके लिए ₹700 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है।

प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY-WDC) का वॉटरशेड डेवलपमेंट घटक:

पृष्ठभूमि:

1. **एकीकृत वॉटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (IWMP):**
   - 2009-10 से भूमि संसाधन विभाग (DoLR) द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना (CSS) के रूप में लागू।
2. **'WDC-PMKSY 1.0':**
   - 2015-16 में IWMP को PMKSY की छत्रछाया योजना के वॉटरशेड डेवलपमेंट घटक के रूप में जोड़ा गया।
3. **'WDC-PMKSY 2.0':**
   - PMKSY-WDC 1.0 की सफलता का विस्तार।
   - अवधि: 2021-2026।

लक्ष्य:

- 49.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का विकास।

उद्देश्य:

1. **भूमि का क्षरण रोकना:** मृदा संरक्षण, जल पुनर्भरण, और चारागाह विकास गतिविधियों के माध्यम से।
2. **किसानों की आय बढ़ाना:** कृषि उत्पादकता और संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना।
3. **जलवायु लचीलापन सुधारना:** कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक मजबूत बनाना।

वॉटरशेड:

- वॉटरशेड एक भू-जल विज्ञान इकाई है, जो जल को एक सामान्य बिंदु तक ले जाने वाले नालों के तंत्र के माध्यम से प्रवाहित करती है।

वॉटरशेड विकास:

- वॉटरशेड विकास का तात्पर्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पुनर्जनन, और विवेकपूर्ण उपयोग से है।
- यह विशेष रूप से निम्नलिखित संसाधनों पर केंद्रित है:
  1. भूमि।
  2. जल।
  3. वनस्पति और पशुधन।
  4. मानव विकास।

वॉटरशेड विकास (Watershed Development) का महत्व:

1. **बारिश पर निर्भरता वाले बड़े क्षेत्र:** शुष्क भूमि क्षेत्र (Dryland) कुल शुद्ध बुआई क्षेत्र का **51%** और कुल खाद्य उत्पादन का **40%** हिस्सा है।
   - यहाँ मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती है, सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं होती और फसलें मानसून पर निर्भर होती हैं।
   - शुष्क भूमि क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की कमी है और यहाँ की कृषि उपज सिंचित भूमि की तुलना में कम है।
2. **फसल विफलता और संकट:** शुष्क भूमि क्षेत्रों में फसलें अक्सर असफल हो जाती हैं, जिससे किसानों में संकट देखा जाता है।
   - भूमि जोत का औसत आकार छोटा है और किसान कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए निवेश नहीं कर पाते।
3. **खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति:** इन क्षेत्रों में गरीबी, कुपोषण, शिक्षा का निम्न स्तर, सार्वजनिक सेवाओं तक खराब पहुंच और भूमि क्षरण जैसी समस्याएँ अधिक होती हैं।
4. **आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता:** शुष्क भूमि क्षेत्र सूखे के लिए अति संवेदनशील होते हैं, जिससे उनकी सहनशीलता कम हो जाती है।
   - जलवायु परिवर्तन इन क्षेत्रों की अनिश्चितताओं को और बढ़ा सकता है।

वाटरशेड विकास के लाभ:

1. कृषि उत्पादन और आय में जलवायु जोखिमों के खिलाफ सुरक्षा।
2. फसल प्रणालियों और पशुपालन का विविधीकरण।
3. वर्षा जल संचयन और मिट्टी में नमी बनाए रखने की दक्षता।
4. जल संसाधनों तक समान पहुंच।
5. प्राकृतिक संसाधनों का सतत, समग्र और कुशल उपयोग।

QS फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 / QS Future Skills Index 2025

संदर्भ:

भारत ने QS वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 में कुल मिलाकर 25वां स्थान हासिल किया है। विशेष रूप से, "फ्यूचर ऑफ वर्क" श्रेणी में भारत ने वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के ठीक पीछे है।

QS इंडेक्स:

QS वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स, जिसे लंदन स्थित क्वैक्वेरेली सिमंड्स (QS) द्वारा विकसित किया गया है, यह सूचकांक वैश्विक नौकरी बाजार की तेजी से बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देशों की तैयारी का मूल्यांकन करता है।

यह इंडेक्स चार महत्वपूर्ण आयामों पर देशों का मूल्यांकन करता है:

1. **कौशल संगति (Skills Fit):**
   - कार्यबल के कौशल और नौकरी बाजार की मांगों के बीच सामंजस्य।
2. **शैक्षिक तत्परता (Academic Readiness):**
   - शैक्षिक संस्थानों की क्षमता, जो स्नातकों को भविष्य के लिए तैयार करती है।
3. **कार्य का भविष्य (Future of Work):**
   - उभरते उद्योगों से संबंधित कौशल और प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
4. **आर्थिक परिवर्तन (Economic Transformation):**
   - नई अवधारणाओं में समायोजित होने और प्रगति करने की अर्थव्यवस्थाओं की क्षमता।

QS फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 में देशों की तैयारियों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डिजिटल परिवर्तन और हरे प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते हुए नौकरी क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

रिपोर्ट 2025 के प्रमुख बिंदु:

- **भारत की रैंक:** भारत को QS वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 में 25वीं रैंक प्राप्त है, जिससे इसे "फ्यूचर स्किल्स कंटेंडर" के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कुल स्कोर 76.6 है।
- **शीर्ष 5 देश:**
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका** (97.6),
  - **यूनाइटेड किंगडम** (97.1),
  - **जर्मनी** (94.6),
  - **ऑस्ट्रेलिया** (93.3),
  - **कनाडा** (91.0)

ये देश "फ्यूचर स्किल्स पायनियर्स" के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं।

भारत की ताकत:

- **भविष्य के कार्य** संकेतक में भारत को 100 में से 99.1 अंक मिले हैं, जो डिजिटल, एआई, और ग्रीन स्किल्स में भविष्य के कार्यों के लिए मजबूत तत्परता को दर्शाता है।

वेंचर कैपिटल और ग्रोथ फंडिंग: भारत एशिया पैसिफिक क्षेत्र में वेंचर कैपिटल और ग्रोथ फंडिंग के लिए दूसरा सबसे बड़ा गंतव्य बना हुआ है।

आर्थिक परिवर्तन: भारत का आर्थिक परिवर्तन वृद्धि, कार्यबल की दक्षता, और उच्च शिक्षा की भूमिका के परिवर्तन के मेल से प्रेरित हुआ है।

भारत के लिए चिंता के क्षेत्र:

- **'स्किल्स फिट' में कमजोर स्कोर:** भारत को 'स्किल्स फिट' पैरामीटर में 59.1 अंक मिले, जो शीर्ष 30 देशों में सबसे कम है। इसका मतलब है कि कार्यबल के कौशल और तेजी से बदलती उद्योगों की आवश्यकताओं में असंतुलन है।
- **भविष्य के नवाचार में कमजोर प्रदर्शन:** भारत को स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) में भविष्य की ओर उन्मुख नवाचार पैरामीटर में केवल 15.6 अंक मिले, जबकि G7 देशों को 68.3 अंक मिले। यह दर्शाता है कि स्थिरता में निवेश और नवाचार की आवश्यकता है।
- **उच्च शिक्षा प्रणाली में विकास की कमी:** रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार तेजी से विकसित नहीं हो रही है। स्नातक अक्सर उन कौशलों से लैस नहीं होते जिन्हें नियोक्ता चाहते हैं।

सुधार के लिए सुझाव:

- **सृजनात्मकता और उद्यमिता:** विश्वविद्यालयों को सृजनात्मकता, समस्या समाधान और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **अकादमिक-उद्योग सहयोग:** शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।
- **पुन: कौशल विकास:** NEP 2020 और ULLAS जैसी नीतियों द्वारा कौशल वृद्धि और पुन: कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

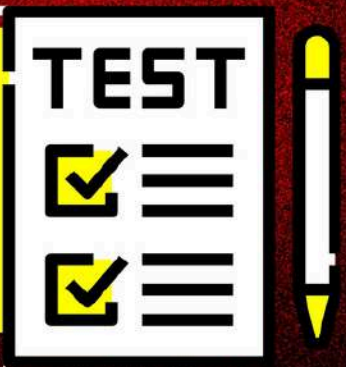

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !